THE SUNDAY INDIAN
THE NATION'S GREATEST NEWS WEEKLY

यह लेख प्रिंट करें

# लोकनीति विषय पर आयोजित कार्यशाला 'आई-पॉलिसी' का समापन

**टीएसआई टीम** | नई दिल्ली, जुलाई 18, 2012 15:10

देश की तंगहाल आर्थिक स्थिति से निराश जनता और बाजार ने नब्बे की दशक में ऐसे अप्रत्याशित विकास को प्राप्त कर इसकी अनुभूति भी कर चुकी है.लेकिन वर्तमान समय में इरादतन अथवा गैर इरादतन ढंग से बाजार से प्रतियोगिता की स्थिति बनाने की बजाए इसे और हतोत्साहित किया जा रहा है जिसका परिणाम महंगाई, मुद्रा स्फिति आदि जैसी समस्याओं के रूप में हमारे सामने आ रही है. ये बातें सेंटर फॉर सिविल सोसायटी (सीसीएस) द्वारा देश भर के पत्रकारों के लिए लोकनीति विषय पर आयोजित एक कार्यशाला "आई-पॉलिसी" के दौरान उभर कर आयी.

दिल्ली आधारित अंतर्राष्ट्रीय थिंकटैंक संस्था सेंटर फॉर सिविल सोसायटी व एटलस नेटवर्क, यूएस के तत्वावधान में देश के प्रतिष्ठित अखबारों व न्यूज चैनलों के दो दर्जन से अधिक पत्रकारों के लिए मसूरी में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला सह परिचर्चा में शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं जैसे जटिल विषयों का समाधान उदारवाद, पूंजीवाद एवं बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति के आधार पर सुझाया गया.रविवार को देर रात तक चले आठ सत्रों में बंटे इस कार्यशाला सह परिचर्चा में सीसीएस की भुवना आनंद, निमिष अधिया, अमित चंद्र, शांतनु गुप्ता, पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च के चक्षु रॉय, थ्री आई ई की ज्योत्सना पुरी व ग्रीन स्माइल डाट काम के प्रतीक शाह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए शोधों और उसकी प्राप्तियों के हवाले से पूंजीवाद, उदारवाद व पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति से संबंधित भ्रांतियों को दूर कर उसके लाभों के बारे में अवगत कराया गया.□ कार्यशाला में अनिल पांडेय, पारुल शर्मा, चंडीदत्त शुक्ला, रवीश रंजन, अमित कुमार, वेद विलास उन्याल, शुभोजित सेन गुप्ता, राजेश्वरी अइय्यर, प्रणव जोशी, विकास चौहान, मल्लिका जोशी, एहतेशामुल हक, सुरेश चंद रमोला, जतिन आनंद, श्याम सुंदर, शिवानी पांडेय, अरुणेश शर्मा, हितेंद्र गुप्ता, रंजू ऐरी, भावना नायर, सुषमा शर्मा, अंतिका जैन, सिकंदर पारीक, अनमोल गुप्ता, शूरवीर भंडारी सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकार शामिल हुए.